DEEBALI

WALL-MAGAZINE

2022 - 2023(IV)

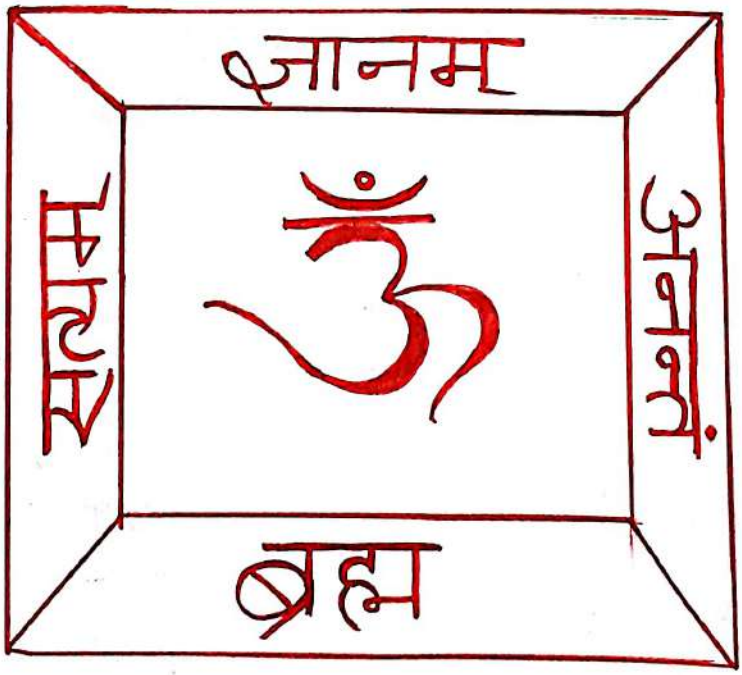

बसंत की पुरवाई

The Great Beauty Of Spring

– by Adella Banes

The Roses grow, the Lilies bloom.
The Tulips sprout in their beds.
The Irises carefully, and gently,
lift up their tiny heads.
More beautiful they grow,
with every passing day.
Till' winter steals their dainty glow,
And takes their sunshine away.
The cold steals in and bites with frost.

Till' finally, finely they lay down to rest.
All the flowers one by one,
Tell the next "farewell,
Till' springs sun can wake me up,
And make my petals spread."
They'll sleep under a blanket of snow,
All winter long.
Till' springs sun can wake them.
And on that Wonderful day,
The Roses will grow, the Lilies will bloom.
The Tulips will sprout in their beds.

Name: Mary Vanessa
Roll no.: 101
Class: B.Ed Ist yr.
Session: 2022-24

बसंत की पुरवाई

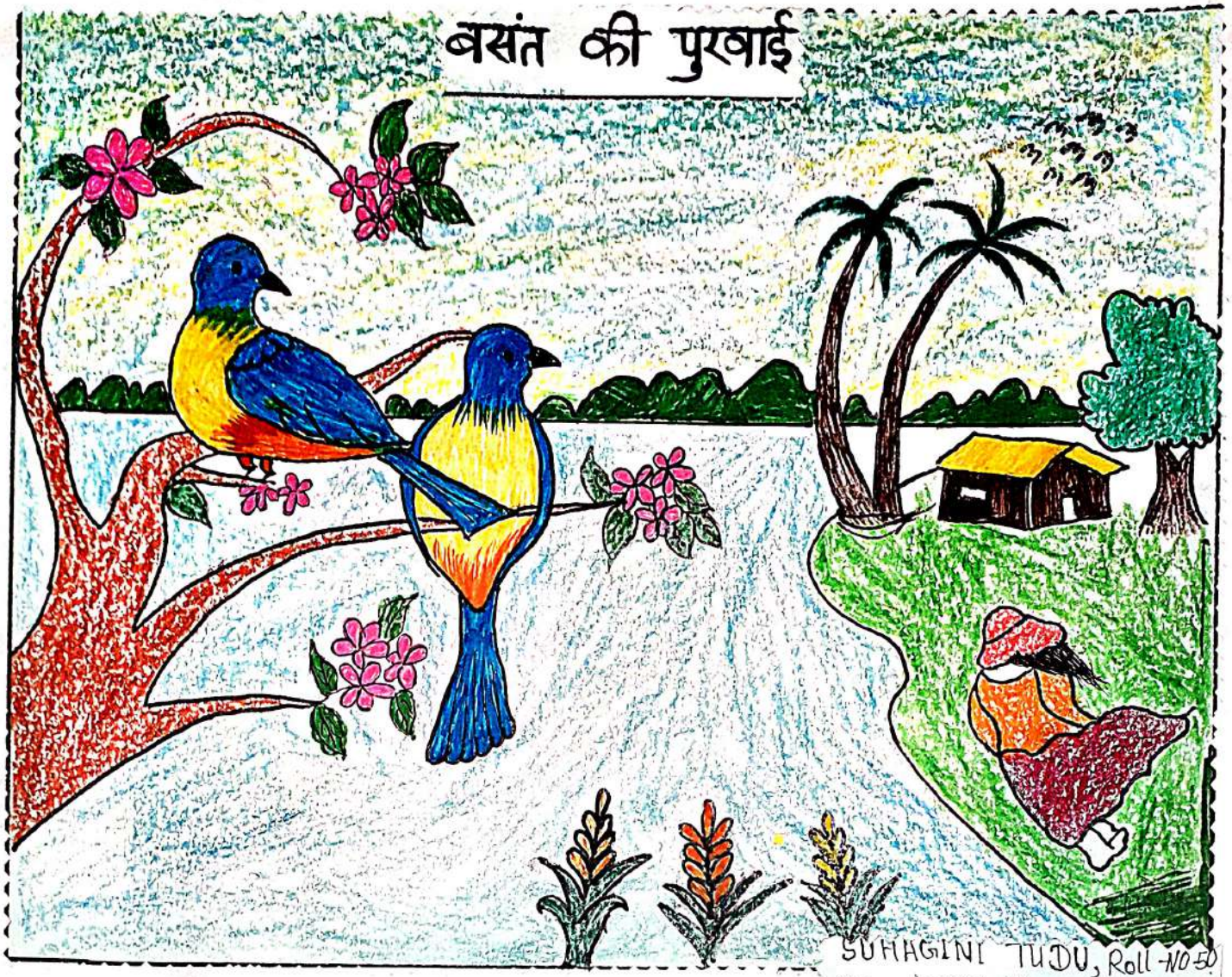

SUHAGINI TUDU, Roll-NO-50
Se.—2021-23, B.Ed

Roll NO-84

Savitri Marandi
Roll no - 123

Session - 2022-24
B.ed - Sem 1st

वसंत की पुरवाई

अभी न होगा मेरा अंत
अभी-अभी ही तो आया है
मेरे वन में मृदुल वसंत
अभी न होगा मेरा अंत।

हरे-हरे ये पात,
डालियाँ, कलियाँ, कोमल गात।
मैं ही अपना स्वप्न-मृदुल-कर
फेरूंगा निद्रित कलियों पर
जगा एक प्रत्यूष मनोहर।

Shreya Suman
B.ed, Roll-35
Section-A.
Session- 22-24

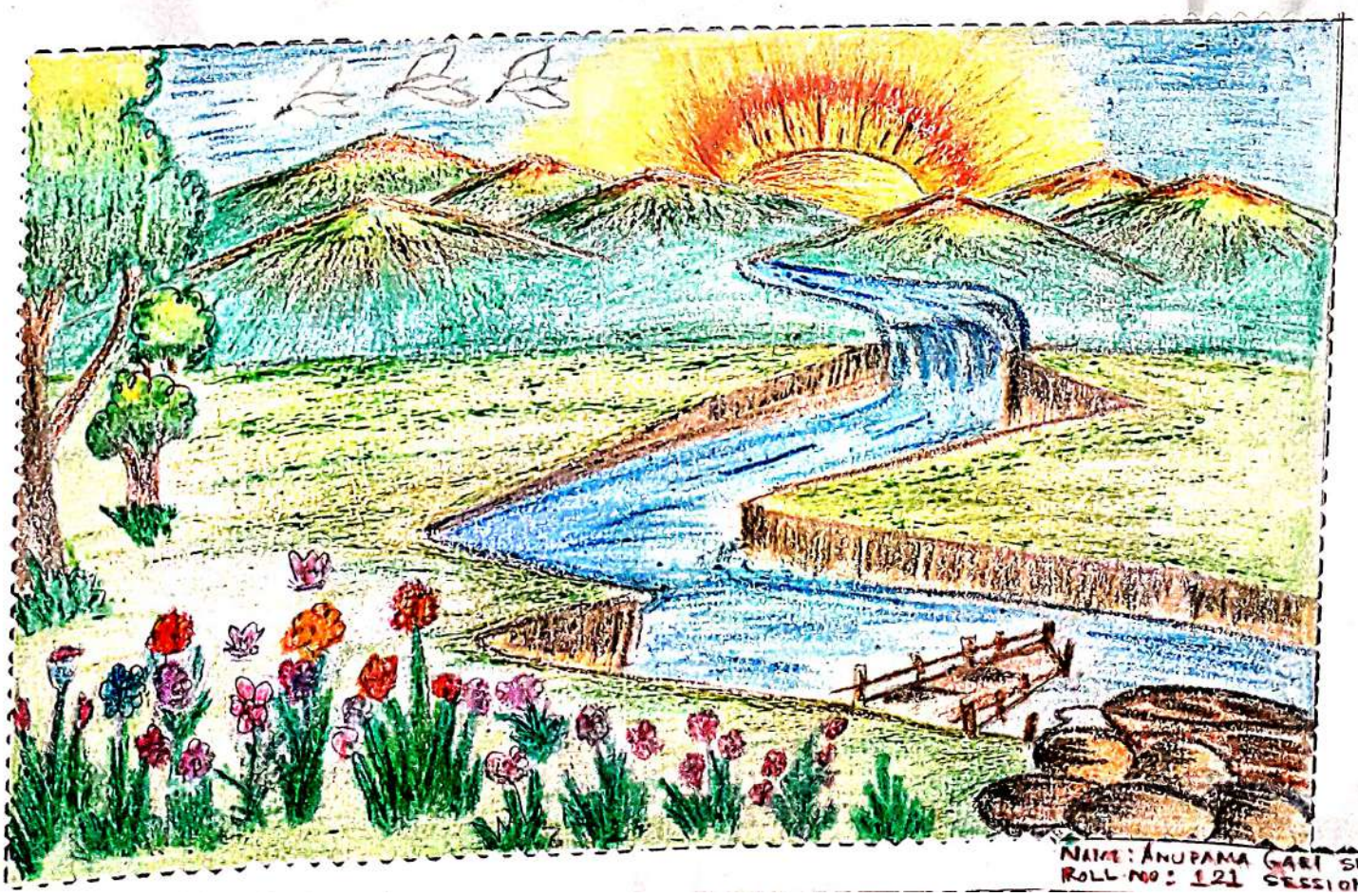

NAME: ANUPAMA GARI SEC-B.ED
ROLL NO: 121 SESSION-20

आई बसंत की पुरवाई

हर जुबा पे है छाई ये कहानी।
आई बसंत की ये ऋतु मस्तानी।।
दिल को छू जाए मस्त झोंका पवन का।
मीठी धूप मे निखर जाए रंग बदन का।।

गाये बुजुर्गों की टोली जुबानी
आई बसंत की ये ऋतु मस्तानी
झूमे पंछी कोयल गाये
सूरज की किरणे हँसती जमी नहलाये

गाते जाए सब डगर पुरानी
आई बसंत की ये ऋतु मस्तानी

Name- Sneha Kumari
Roll no: 03
D.El.Ed (2022-24)

Name - DEEPMALA TUDU
Roll - 14
Class - B.ed (2022-20

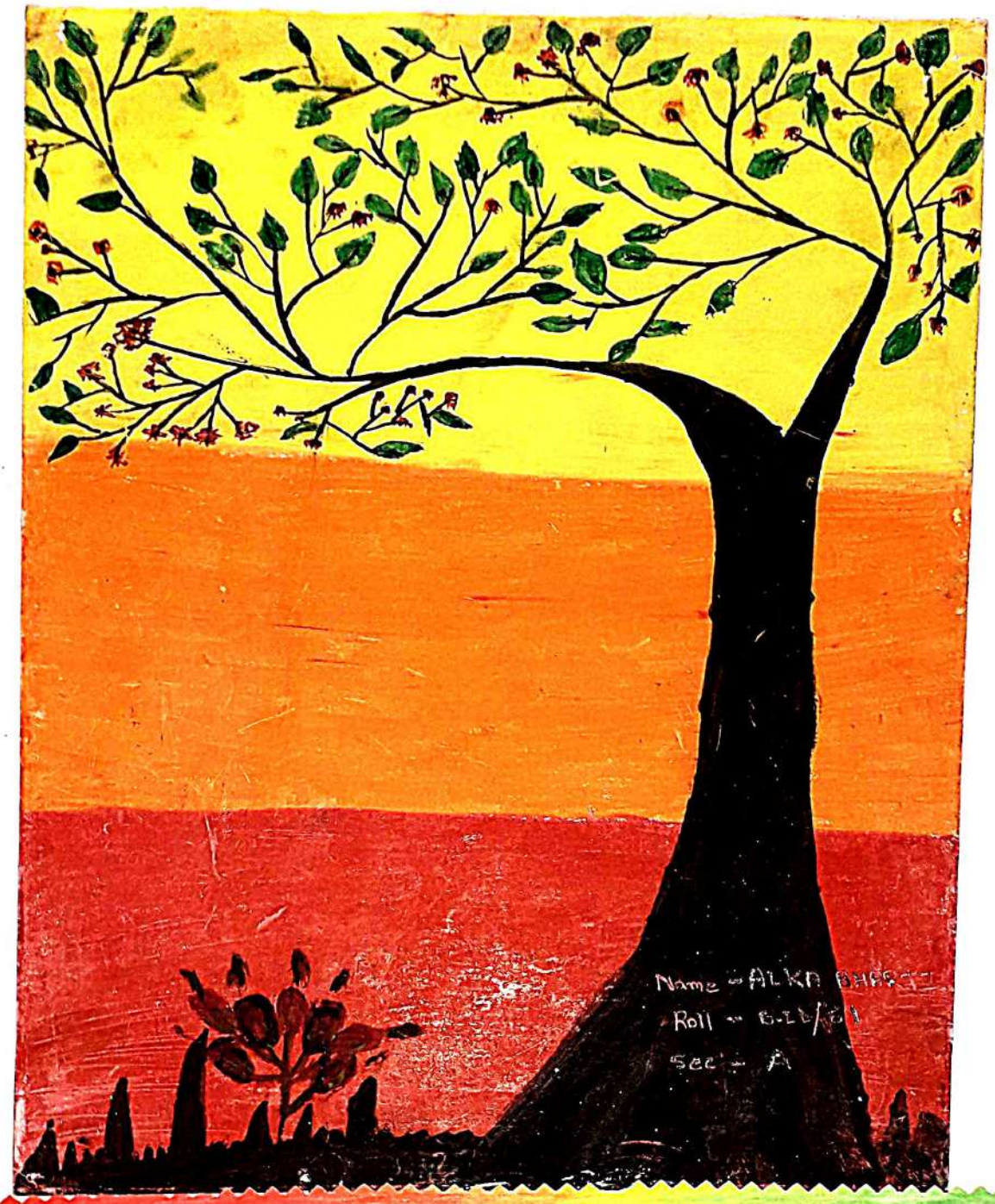

Roll NO - 95
B.Ed - 2021-2023

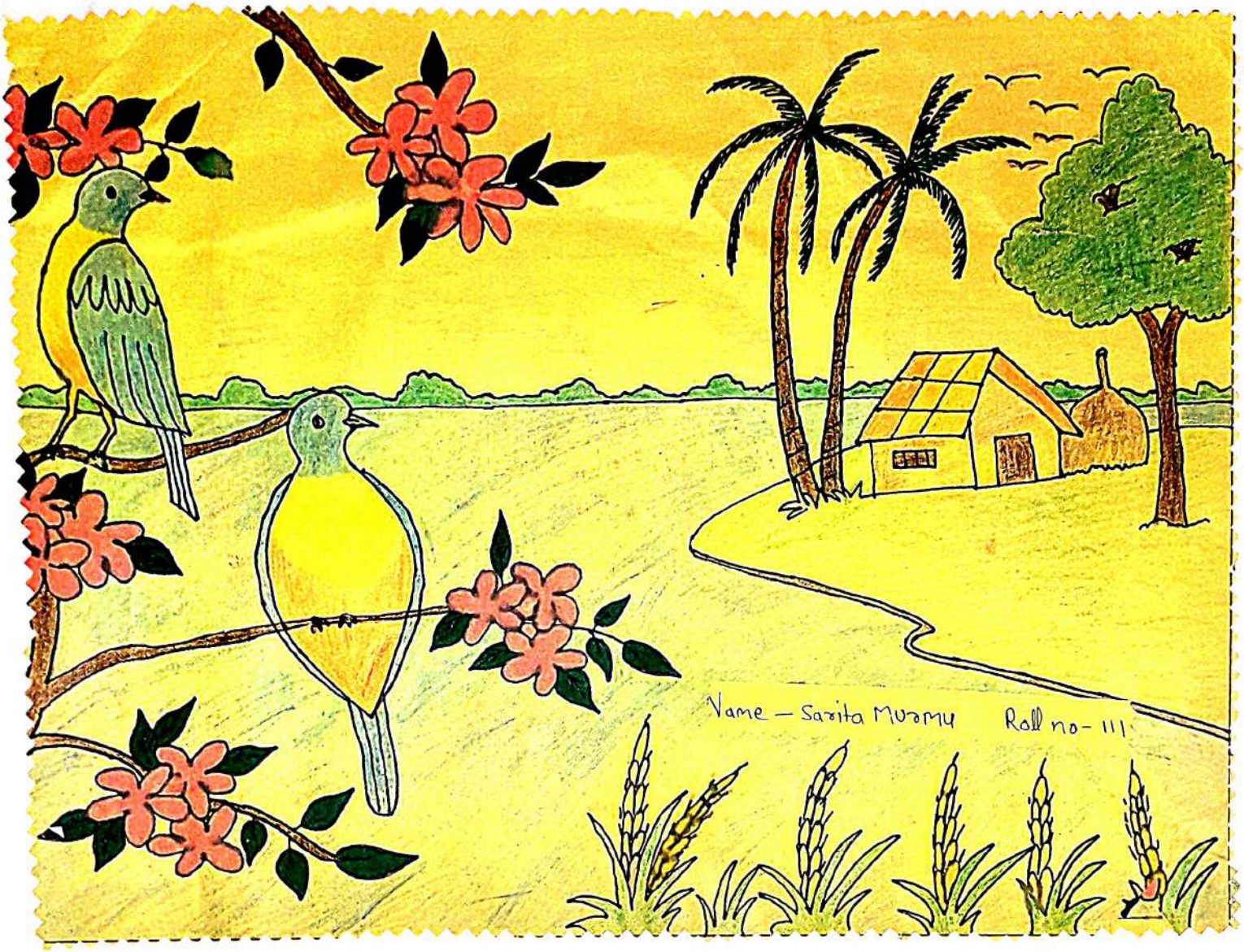

Name – Sarita Murmu
Roll no- 111

Lillyan Kisku
B.Ed Sem 1
Roll no. 77
(2022-24)

बसंत की पुरवाई

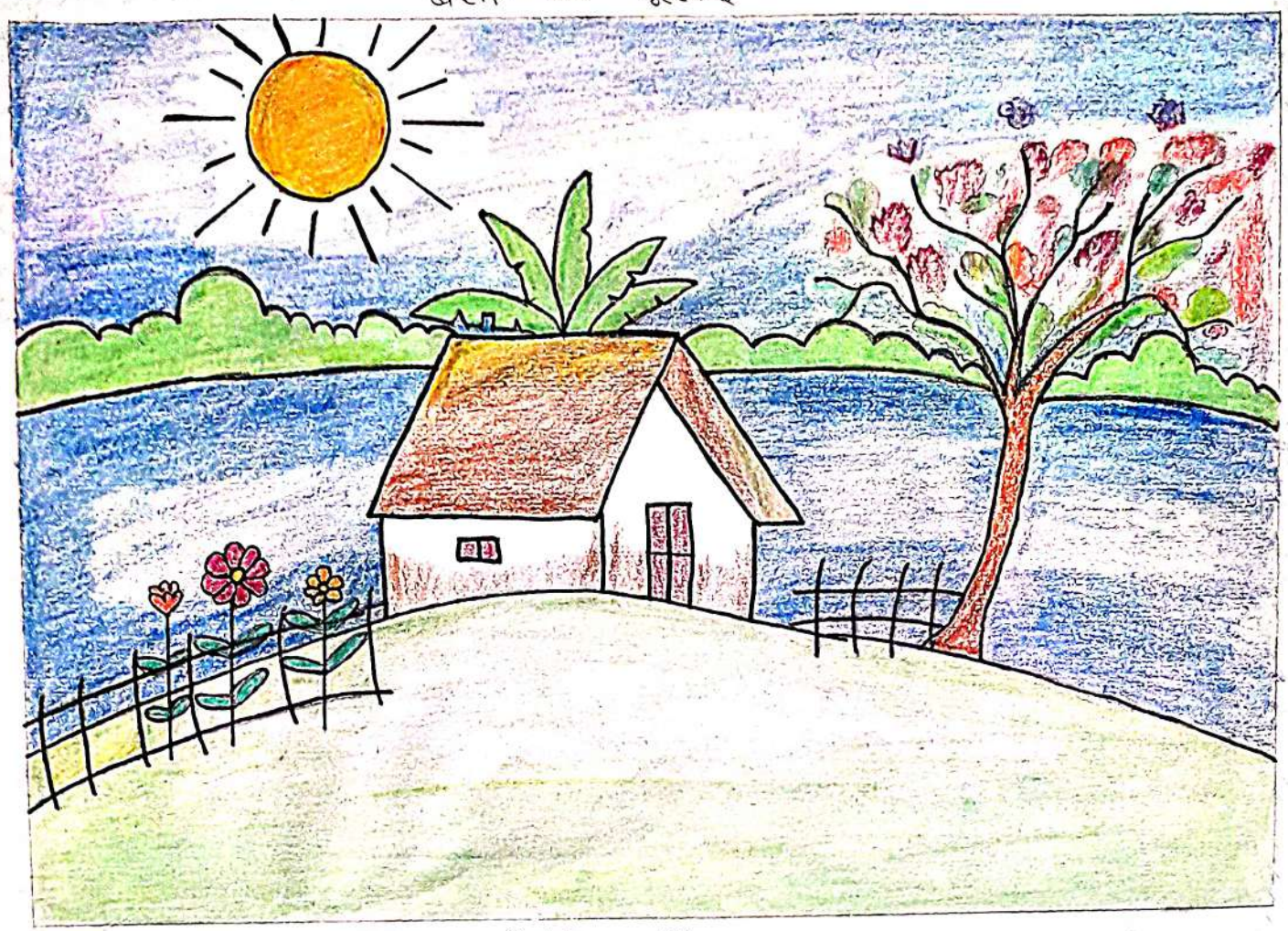

NAME - SONIYA SAHANI ROLL NO- 112

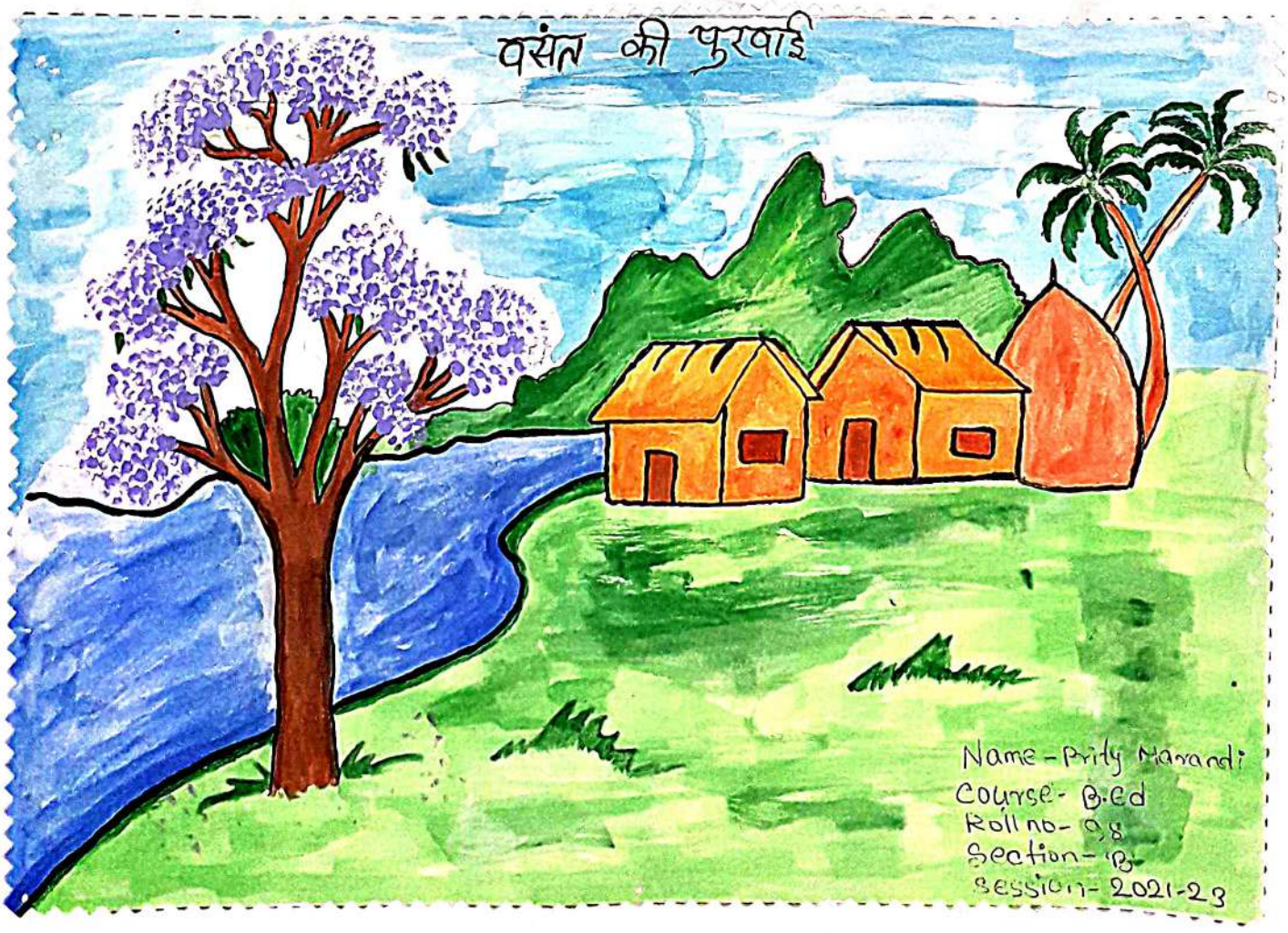

Spring
Scatters the
Petals of Flowers
that are not
for the fruits
of the future,
But for
the
Moment's
Whim.

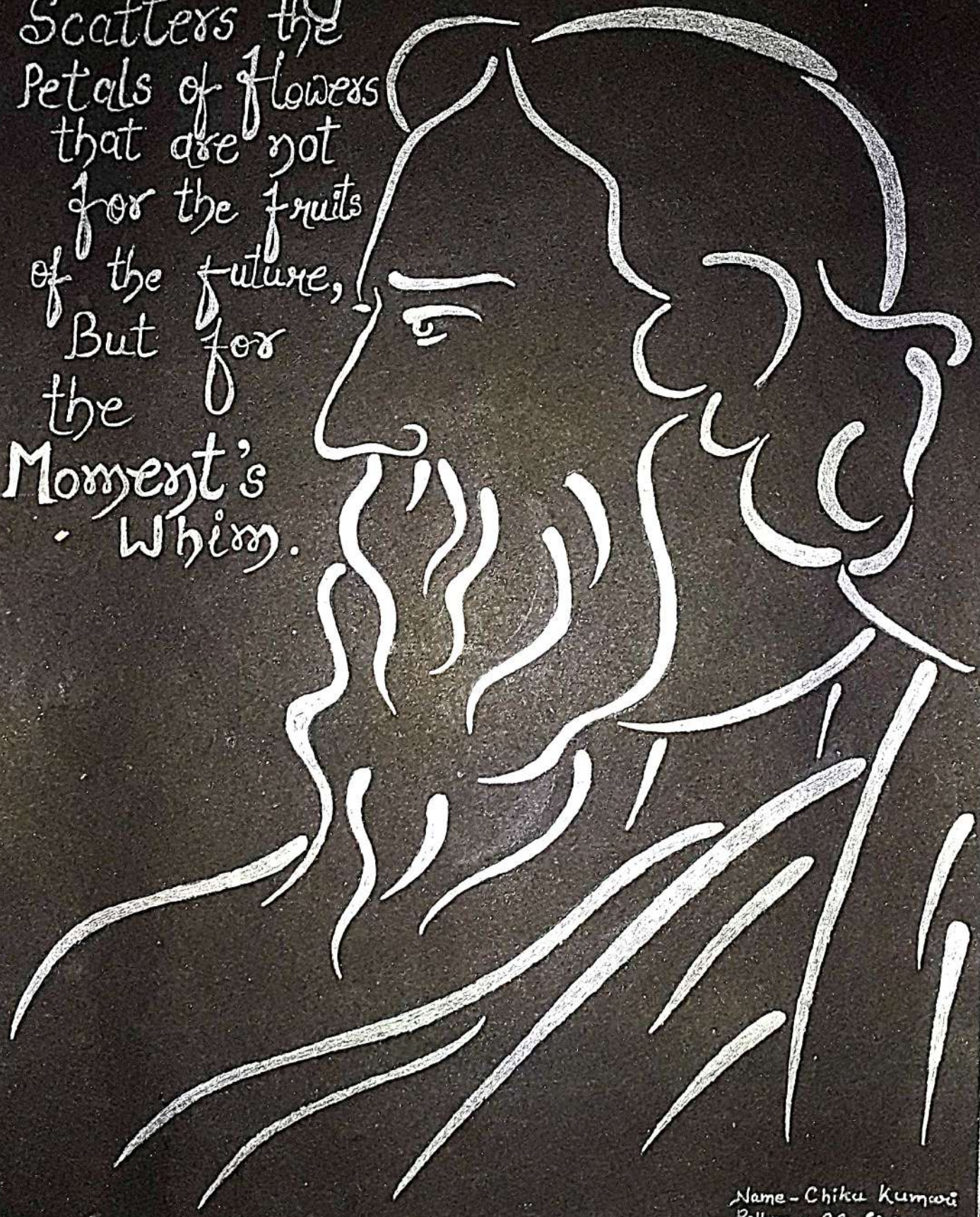

Name - Chiku Kumari
Roll no - 99 'A'

बसंत की पुरवाई

Name- Shradha Kumari
Roll no. -13 [D.El.Ed(2022-24)]

बसंत की पुरवाई

बसंत की पुरवाई

रंग - बिरंगे फूल भी खिलते
खेतों में नई फसल पक जाते,
सरसों, राई और गेहूं के खेत मन को लुभाते,
किसान गद - गद हो जाते।

बसंत पंचमी का त्यौहार भी सबने मनाया,
सबपे ज्ञान की देवी सरस्वती की पड़ी छाया,
सुंदर, सुहावन और मनमोहक मौसम लाया,
सबको इसके प्रभाव ने खूब लुभाया।

जब कोयल डाल पर, चिहचिहाए,
जब जीवन आनंदमय बनजाए,
जब चारों तरफ खुशियों की गीत गाएजाए,
तब यह ऋतु बसंत कहलाए।

Name - Kiran kumari
Saren
Roll No. - 116

आओ इस धरा पर स्वागत है तुम्हारा, धरती पर खिलाओ फूल प्यारे-प्यारे अब आम्र वृक्षों पर भी मंजर आयेंगे कोयल कूकेगी अब बगिया में पीली सरसों फूलेगी अब नज़ारा कुछ ऐसा होगा जैसे बिछा हो कोई बिछौना।

Name- Prachee Pandey
class- D.El.Ed
2022-24

बसंत की पुरवाई

ऐसा लगता है कि बसंत भागता - भागता चलता है। देश में नहीं, काल में। किसी का बसंत पन्द्रह दिन का तो किसी का नौ महीने का। मौजी है अनंग। बारह महीने इनका बसंत ही बसंत है।

– हजारीप्रसाद द्विवेदी

RITU RANI
22/A/01

And Now It's Spring

by – Lhtheaker

The grass is green across the hill,
But yellow blooms the daffodil;
It's sunshine on a little stalk,
A friendly flower, I bet they talk...

Of little kids, too long inside
They burst outdoors to play and hide.
Tracking mud and bringing bugs,
Look, there's footprints on the rug!

Tiny whirlwinds, these little tykes,
They skin their knees while riding bikes.
They rip and roar, they're running wild,
What fun it is to be a child.

It grows warmer every day.
Shoo the children out to play!
Pick the flowers, play in mud.
Too much rain, here comes a flood!

My snowy, winter days are gone.
I mourn them, but I hear a song
Of birds in trees; outside chimes ring.
I guess it might as well be Spring!

"Spring
a lovely reminder
of how
beautiful change
can be"

NAME : SNEH PRABHA HEMBROM
ROLL NO. : 37 CLASS- B.ed IV
SESSION : 2022 – 2024

आई शुभ वसंत

"आनंद-उमंग रंग, भक्ति-रंग संग संगी,
एहो ! अनुराग सब उर में जगावनी।

ज्ञान वैराग्य वृक्ष लता पत्र चारों फल,
प्रेम पुष्प वाटिका सुंदर सजवानी।

सत्संगी समझदार, देखो यह बहार बनी,
अमृत की वर्षा सरस आनंद बरसवानी।

कहता शिवदीन ढोल ढाई उर ढाई-ढाई,
आई शुभ-वसंत संत संतान मन भावनी।

Name- Priyanka Bagga
B.Ed Semester III
Roll no- 122
Sec- D
Session - 2021-2023

Name -> Manisha Mishra
Class -> B.ed (Sem-1)
Roll No -> 29

NAME - Soni KUMARI
Roll NO - 25 (B.ED)
Sec - 2022-24

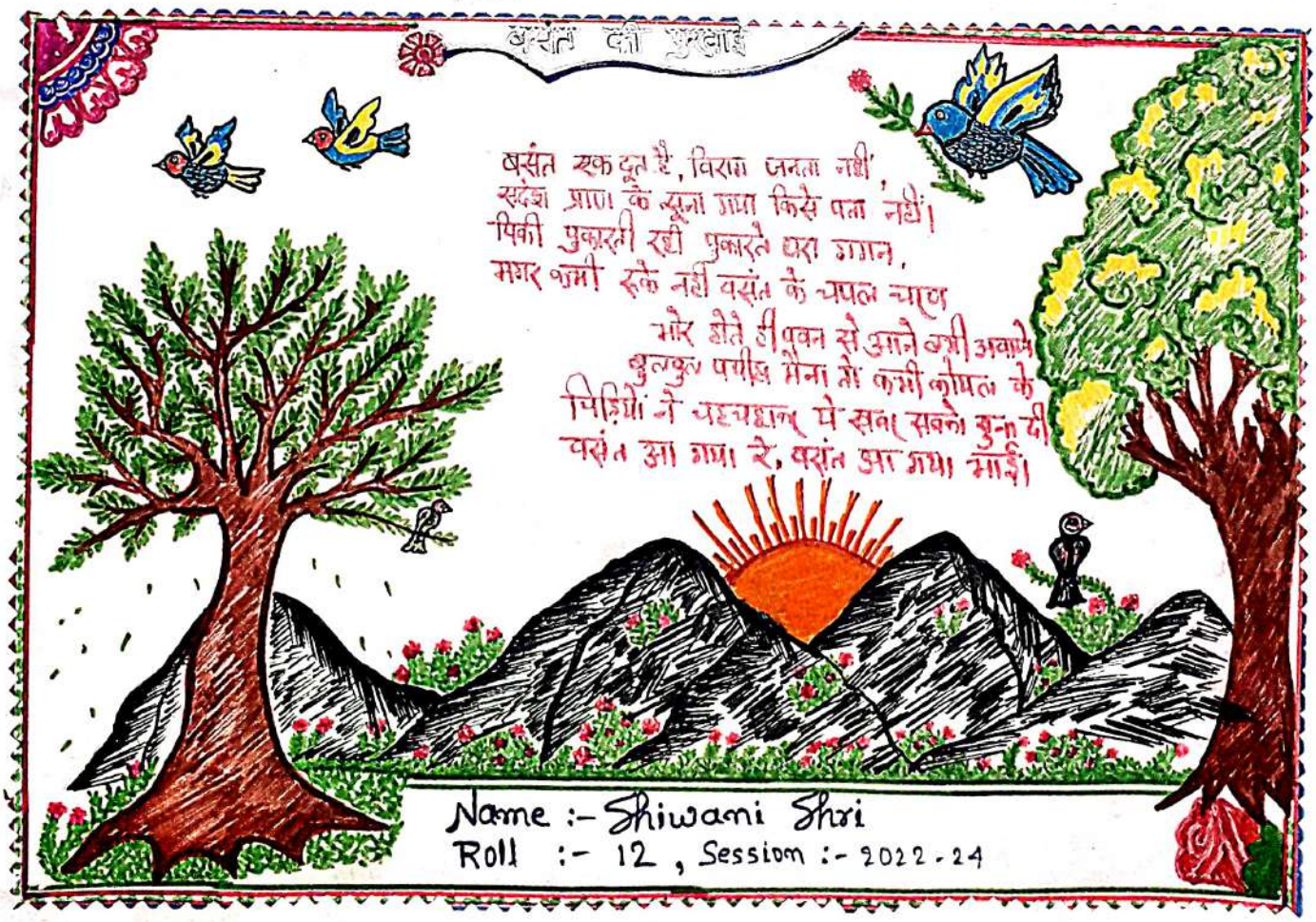
बसंत की कविता
बसंत एक दूत है, विराम जानता नहीं,
संदेश प्राण के सूना गया किसे पता नहीं।
पिकी पुकारती रही पुकारते धरा गगन,
मगर कभी रुके नहीं वसंत के चपल चरण
भोर होते ही पवन से आने लगी अवाजें
बुलबुल पपीहा मैना तो कभी कोयल के
चिड़ियों ने चहचहाकर ये सबको सुना दी
वसंत आ गया रे, वसंत आ गया भाई।
Name :- Shiwani Shri
Roll :- 12 , Session :- 2022-24

बसंत की पुरवाई

हर जुबा पे है छाई ये कहानी।
आई बसंत की ये ऋतु मस्तानी॥
दिल को छू जाये मस्त झोंका पवन का।
मीठी धूप में निखर जाये रंग बदन का॥
गाये बुजुर्गों की टोली जुबानी।
आई बसंत की ये ऋतु मस्तानी॥
झूमें पंछी कोयल गाये!
सूरज की किरणें हँसती जमी नहलाये॥
लागे दोनों पहर की समां सुहानी।
आई बसंत की ये ऋतु मस्तानी॥
टिमटिमाये खुशी से रातों में तारे।
पीली फसलों को नहलाये दुधिया उजाले।
गाते जाये सब डगर पुरानी!
आई बसंत की ये ऋतु मस्तानी।

नाम-अमृता सोरेन
रोल नं. - 17
सत्र - 2022-24

बसंत ऋतु पर कविता

देखो बसंत ऋतु है आयी।
अपने साथ खेतों मे हरियाली लायी॥

किसानो के मन में है खुशियाँ छाई।
घर-घर में है हरियाली छाई॥

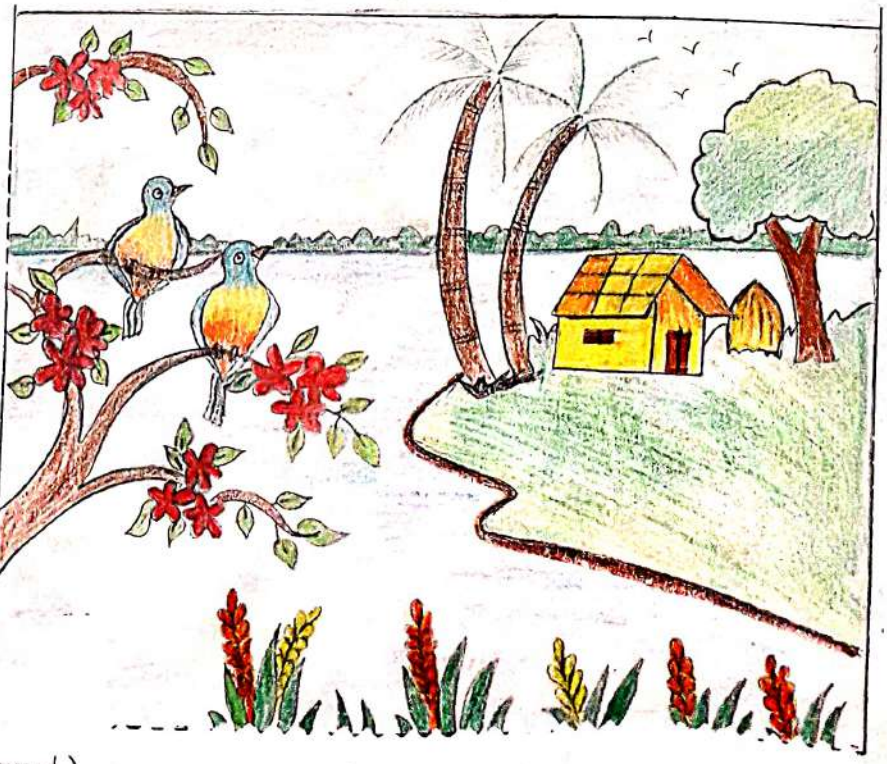

नाम- रिंकी कुमारी
क्रमांक - 110
सत्र - 22-24
कक्षा - B.ED (Sem-1)

बसंत की पुरवाई

बसंत की पुरवाई के,
यादों की कोठरी धीरे से,
आओ मिल कर खोलें,
मन की छिपी बातों को,
जी भर कर बोलें।
अपने दिल की खुशियों को,
तितली बना कर उड़ा,
चाँद सितारे फूल बहारें,
खिलते गुल गुलशन के,
सुखद समीर प्रकृति का उल्लास।
बोल मधुर जो कोयल सी,
सुहाने मौसम में लाली सुरज की,
सरस कोमलता अल्हड़ता ऋतुओं की,
बसंत की पुरवाई सी,
सास्विर प्यार के सागर में,
प्रकृति की रचना साकार हुई।

— प्रिया कुमारी
51 (A)
B.Ed. (2022-24)

बसंत की पुरवाई

ऋतु बसंत की आयी
नव प्रसून फूले, तरूओं ने नव हरियाली पायी,
पाकर फिर से रूप सलोना,
महक उठा वन का हर कोना,
करती जैसे जादू-टोना,
फिर नवल पुरवाई,
लज्जा के अवगुंठन सरके,
नयनों में नूतन रस भरके,
गले लगी लतिका तरुवर के,
भरती मृदु अंगड़ाई,
ऋतु बसंत की आयी
नव प्रसून फूले, तरूओं ने नव
हरियाली पायी॥

नाम - प्रज्ञा कुमारी
कक्षा - M.Ed. (Sem 1st)
(2022-2024)

Sec-A , Roll-29 , 2021-23
Art by Madhu